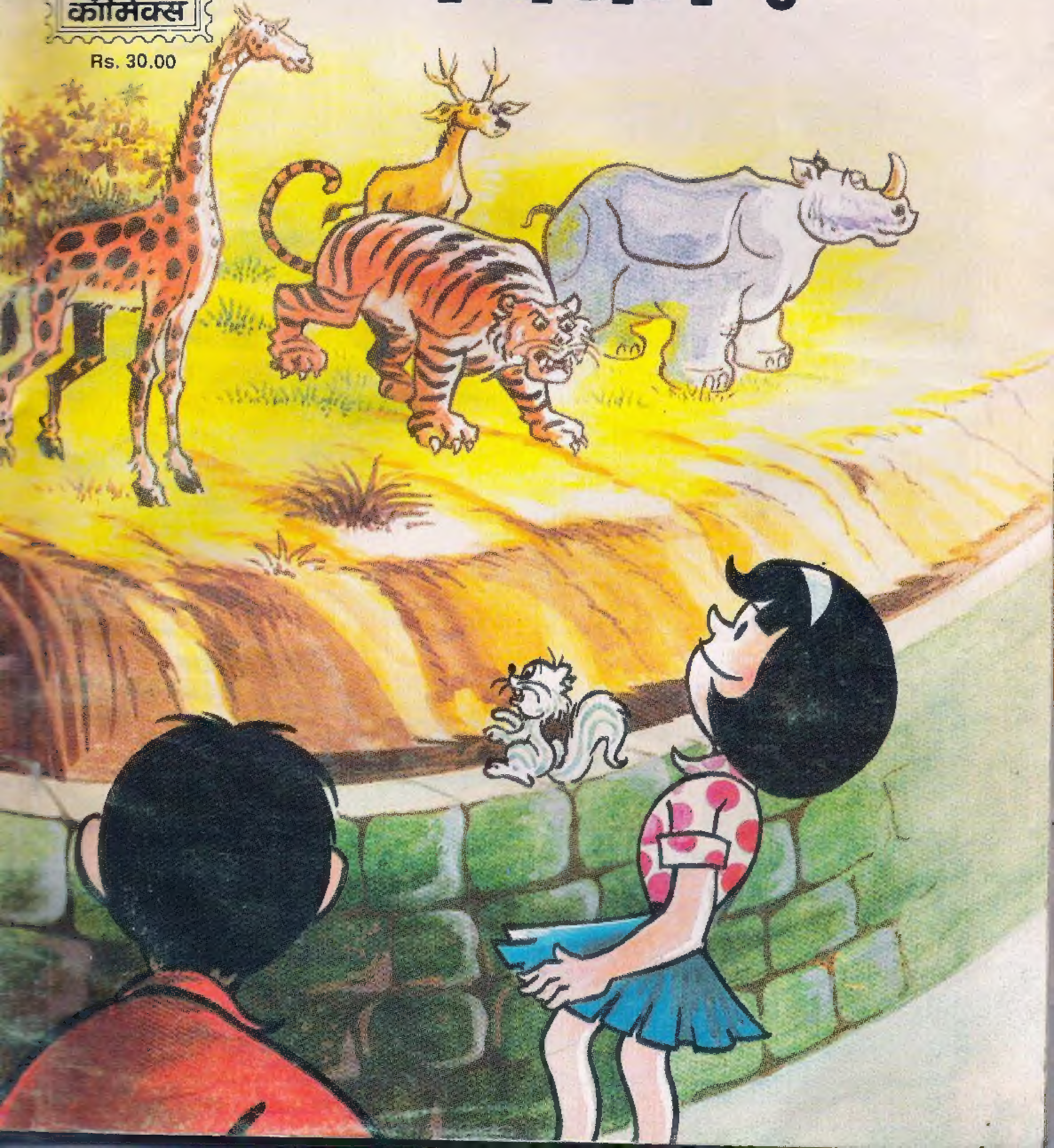
डायमंड कॉमिक्स डाइजेस्ट-CCXXI

प्राण

पिंकी-8

डायमण्ड कॉमिक्स

Rs. 30.00



Printed and Published by Gulshan Rai on behalf of Diamond Comics, 257, Dariba Kalan, Delhi-6 & Printed at Jain Offset Printers, 2864, Chall Puri, Kinari Bazar, Delhi-110006
Editor : Gulshan Rai
RNI No. :39423/81



The heart throb of millions of comic strip lovers, cartoonist Pran was born in a small town, Kasur, now in Pakistan. After completing his M.A. in Pol.Sc. and studying Fine Arts, he started his cartooning career in 1960.from Daily Milap.

During those days foreign comics were being published all over the country. Young Pran created comics having Indian characters and on local themes. His characters CHACHA CHAUDHARY, SABU, SHRIMATIJI, PINKI, BILLOO and RAMAN have become phenomenal success one after the other.

Winner of the People of the Year Award 1995, instituted by Limca Book of Records, his two episodes of CHACHA CHAUDHARY series have been acquired by International Museum of Cartoon Art, USA. In 1983 Prime Minister Mrs. Indira Gandhi released his comic book, 'Raman - United We Stand.'

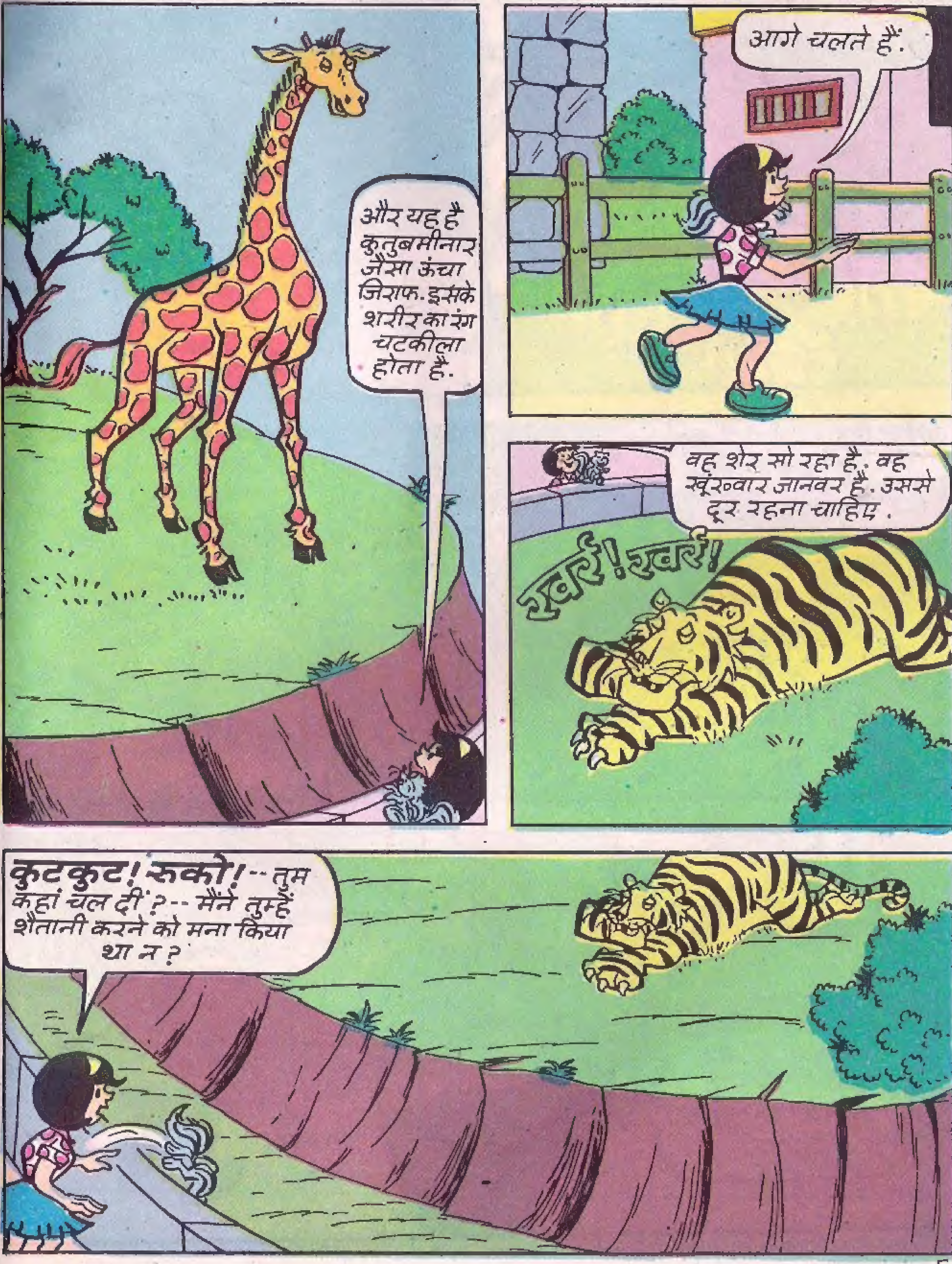
The reason for the popularity of Pran's characters is that they present simple and straight humour which directly tickles the laughter nerve of the reader.

Publisher





मनोरंजन के और भी साधन हैं. हम बाहर जाकर दूसरी जगह दिल बहलाते हैं.
क्यों न चिड़िया घर जाया जाये? वहां तरह तरह के पशु-पक्षी देखने को मिलेंगे.
चिड़ियाघर.
कुटकुट! वहां कोई शरारत न करना. वर्ना आफीसर तुम्हें बाहर निकाल देगा.
देखो, वह लम्बी पूंछ वाला लंगूर.
वह रहा भारी भरकम गैंडा. इसकी चमड़ी मोटी होती है.

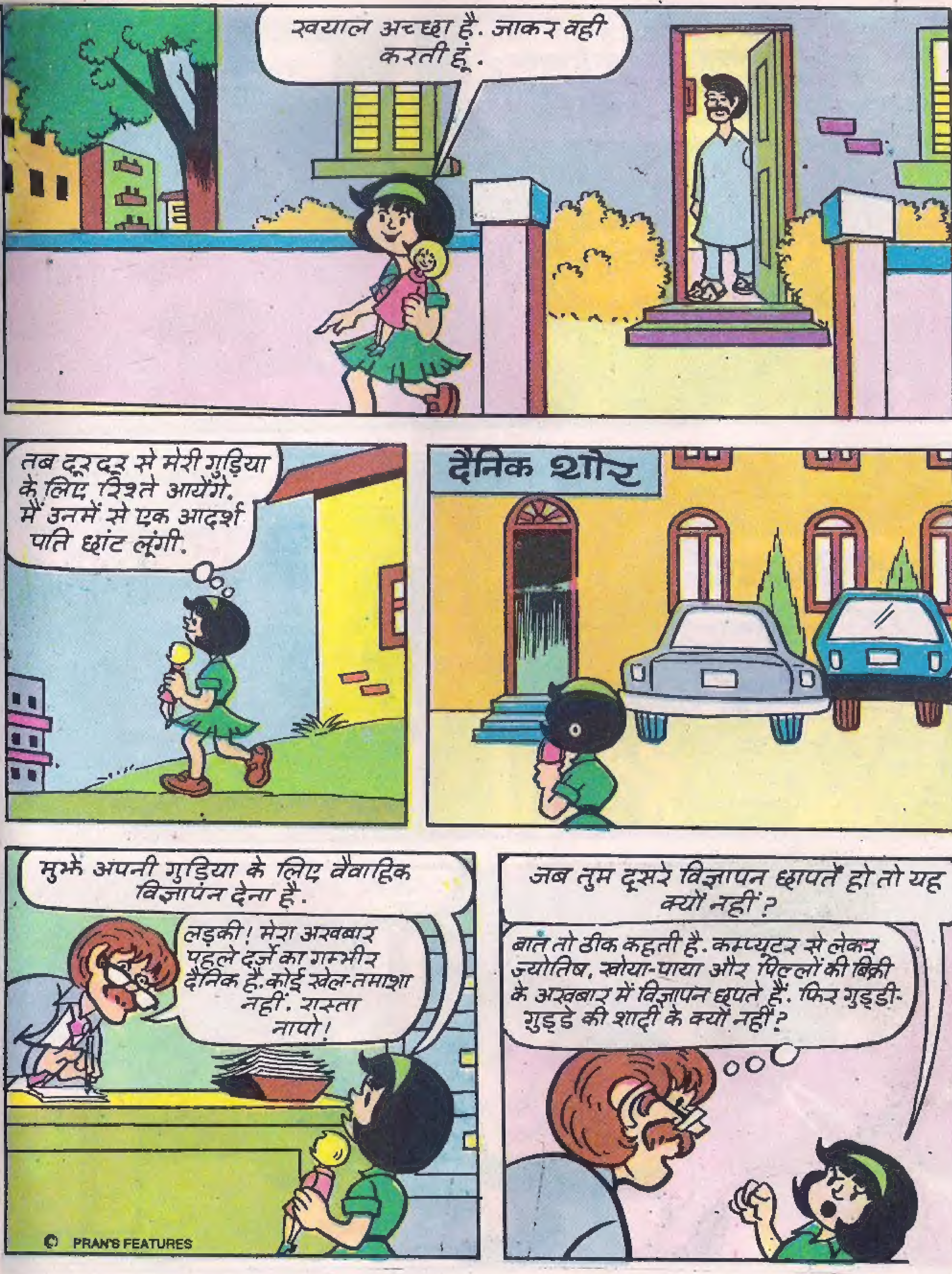


और यह है कुतुबमीनार जैसा ऊंचा जिराफ. इसके शरीर का रंग चटकीला होता है.
आगे चलते हैं.
वह शेर सो रहा है. वह खूंख्वार जानवर है. उससे दूर रहना चाहिए.
खर्र! खर्र!
कुटकुट! रुको! -- तुम कहां चल दीं? -- मैंने तुम्हें शैतानी करने को मना किया था न?


वापस आओ! वह जाग गया तो मुसीबत होगी.
थप! थप!!
गररर्रड़ड़ह्ह!
ओहहह! उसने मेरी कुटकुट को दबोच लिया.
शेर गिलहरी को खा जायेगा!
बेचारी!
मैं जाकर सीक्यूरिटी गार्ड को लाती हूं.
वहां शेर ने गिलहरी को पकड़ लिया है!
तो क्या हुआ? शेर का काम है जानवरों का शिकार करना!


प्लीज़ जल्दी कोई कुछ करें. नहीं तो वह भयानक शेर मेरी कुटकुट को खा जायेगा.
बूढ़ा गिद्ध उधर जा रहा है. शायद वह कुछ करें.
?!
गररररड़्ह्ह!
आऊ ऊ!
धड़ाक!
धन्यवाद, गिद्धराज!
आओ, घर चलें!
© PRAN'S FEATURES


गुड़िया का दूल्हा
आज हमारी बेटी उदास क्यों है?
पापा! मुझे अपनी गुड़िया के लिए वर नहीं मिल रहा.
आखिर यह एक खिलौना ही तो है. इसे किसी गुड्डे के साथ विदा कर दो. क्या फर्क पड़ता है?
आपको नहीं पता कि यह मुझे कितनी प्यारी है. मैं नहीं चाहती कि इसे कोई तकलीफ हो.
तो फिर तुम अखबार में वैवाहिक विज्ञापन क्यों नहीं देतीं?

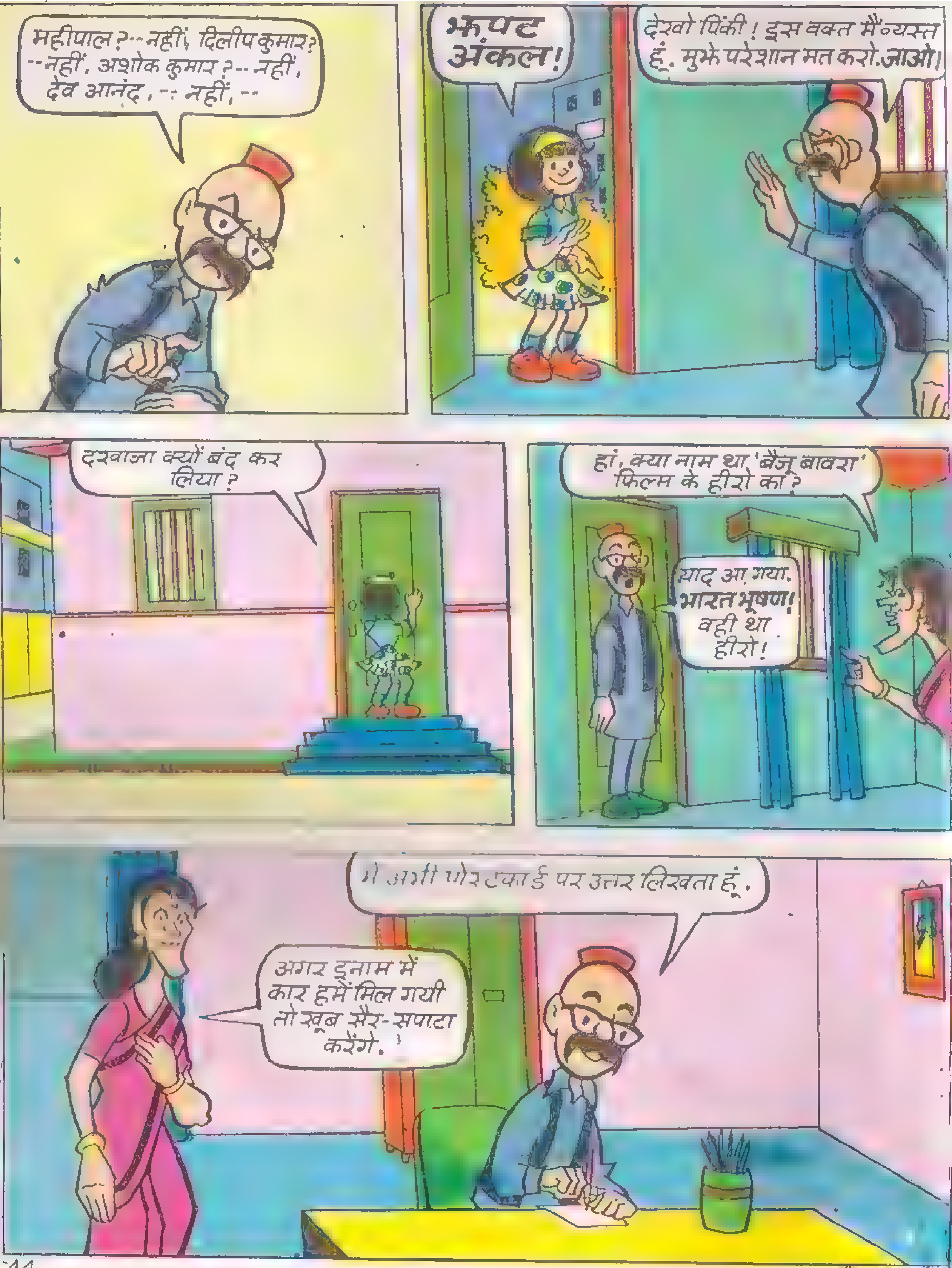

खयाल अच्छा है. जाकर वही करती हूं.
तब दूर दूर से मेरी गुड़िया के लिए रिश्ते आयेंगे. मैं उनमें से एक आदर्श पति छांट लूंगी.
दैनिक शोर
मुझे अपनी गुड़िया के लिए वैवाहिक विज्ञापन देना है.
लड़की! मेरा अखबार पहले दर्जे का गम्भीर दैनिक है. कोई खेल-तमाशा नहीं. रास्ता नापो!
जब तुम दूसरे विज्ञापन छापते हो तो यह क्यों नहीं?
बात तो ठीक कहती है. कम्प्यूटर से लेकर ज्योतिष, खोया-पाया और पिल्लों की बिक्री के अखबार में विज्ञापन छपते हैं. फिर गुड्डी-गुड्डे की शादी के क्यों नहीं?
© PRAN'S FEATURES


हम तुम्हारा विज्ञापन छापेंगे. देश में लाखों बच्चे खिलौनों से खेलते हैं. इस तरह उनका आपस में सम्पर्क होगा. इसके लिए हम अपने अखबार में रेग्युलर कालम सुरक्षित रखेंगे.
धन्यवाद!
काम बन गया.
दूसरे दिन.
क्लासिफाइड
गुड़िया के लिए आदर्श वर चाहिए.
बेटी! बाहर कुछ बच्चे तुमसे मिलने आये हैं.
अंदर आइए.


दूल्हा क्या काम करता है?
..पापार। उसकी तीन कपड़ा मिलें हैं, पंद्रह टैक्सियां चलती हैं, कुछ फाइव स्टार होटल हैं. आलीशान कोठी है. दुल्हन सुखी रहेगी
जरा होने वाले दामाद को दिखाइए.
बुड्ढा! -- नहीं चलेगा. मेरी गुड़िया को आदर्श पति चाहिए. आप जा सकती हैं.
बातचीत से पहले मैं अपनी गुड्डी के गुड्डे को देखना चाहूंगी.
तुम्हारे सामने बैठा है. मेरी मां प्यार से मुझे गुड्डू पुकारती है.
मैं कक्षा में तीन बार फेल हो चुका हूं.
मिस्टर गुड्डू! आप जा सकते हैं. आपकी पढ़ाई कम है. गुड़िया के लिए मुझे एक आदर्श दूल्हा चाहिए.

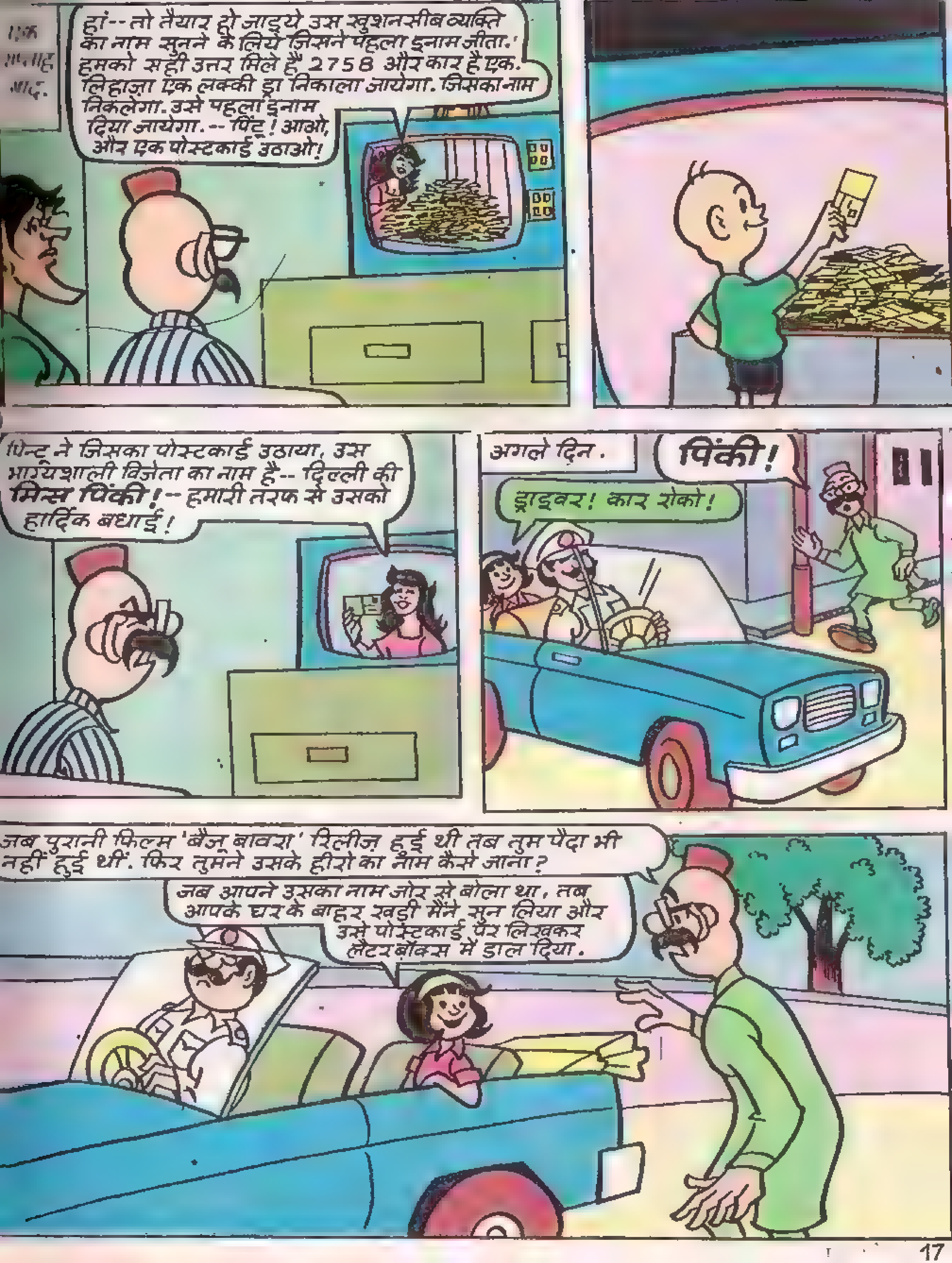

मेरा गुड्डा मिनिस्टर है. फ्रंटियर मेल की तरह भाषण देता है.
कभी चुनाव हार गया तो सड़क पर आ जायेगा.
कहना है?
मेरा गुड्डा जवान, खूबसूरत, स्मार्ट, विनम्र स्वभाव--
-- और नामी क्रिकेट खिलाड़ी है. सैंच्युरियां बनाता है. इसके हर चौके- छक्के पर दर्शक वाह! वाह!! कर उठते हैं. अच्छी शिक्षा और ऊंचा खानदान है.
बस! मुझे ऐसा ही आदर्श दूल्हा चाहिए.
मगर यह शादी नहीं हो सकती.
क्यों?
मेरे गुड्डे को एक आदर्श पत्नी चाहिए.


पहला इनाम
आपने दस सुपरहिट गाने सुन लिए. अब बारी है आज की पहेली की.
आपको यह बताना है कि पुरानी फिलम 'बैजू बावरा' का हीरो कौन था? जवाब एक पोस्टकार्ड पर लिखकर हमें भेजिए और पहले इनाम में पाइये एक नयी कार!
मैंने यह फिलम बचपन में देखी थी.
तो फिर जल्दी से उसके हीरो का नाम याद करो.
© PRAN'S FEATURES


महीपाल ?-- नहीं, दिलीप कुमार? -- नहीं, अशोक कुमार ?-- नहीं, देव आनंद, -- नहीं, --
झपट अंकल!
देखो पिंकी! इस वक्त मैं व्यस्त हूं. मुझे परेशान मत करो. जाओ!
दरवाजा क्यों बंद कर लिया ?
हां, क्या नाम था 'बैजू बावरा' फिल्म के हीरो का ?
याद आ गया. भारत भूषण! वही था हीरो!
मैं अभी पोस्टकार्ड पर उत्तर लिखता हूं.
अगर इनाम में कार हमें मिल गयी तो खूब सैर-सपाटा करेंगे.


जाओ ! अब जल्दी से पोस्टकार्ड को लैटर बॉक्स में डाल आओ !
मगर, बाहर पिंकी खड़ी है.
तो क्या हुआ?
मैं जब भी उससे मिलता हूं, मेरा कोई न कोई नुकसान हो जाता है. मैं इनाम नहीं खोना चाहता. थोड़ा इन्तजार कर लेता हूं.
वह चली गयी. अब मैं इसे लैटर बॉक्स में डाल आता हूं.
वोट
ओह हूं! वह लैटर बॉक्स में अपनी चिट्ठी डाल रही है. वहां जाना मुनासिब नहीं.


मैं दूर जाकर पोस्ट ऑफिस में चिट्ठी डाल आता हूं.
POST OFFICE
STAMPS
यहां ठीक है.
PACKETS
LETTERS
झपट अंकल! रुको!
बाप रे! वह मुसीबत फिर आ गयी. भागो!
क्या बात है? तुम इतने डरे हुए हो जैसे कोई शेर देखा हो.
उससे भी ज्यादा खतरनाक– पिंकी!



हां--तो तैयार हो जाइये उस खुशनसीब व्यक्ति का नाम सुनने के लिये जिसने पहला इनाम जीता.' हमको सही उत्तर मिले हैं 2758 और कार है एक. लिहाज़ा एक लक्की ड्रा निकाला जायेगा. जिसका नाम निकलेगा. उसे पहला इनाम दिया जायेगा.-- पिंटू! आओ, और एक पोस्टकार्ड उठाओ!
पिन्टू ने जिसका पोस्टकार्ड उठाया, उस भाग्यशाली विजेता का नाम है-- दिल्ली की मिस पिंकी!-- हमारी तरफ से उसको हार्दिक बधाई!
अगले दिन.
पिंकी!
ड्राइवर! कार रोको!
जब पुरानी फिल्म 'बैजू बावरा' रिलीज़ हुई थी तब तुम पैदा भी नहीं हुई थीं. फिर तुमने उसके हीरो का नाम कैसे जाना?
जब आपने उसका नाम जोर से बोला था, तब आपके घर के बाहर खड़ी मैंने सुन लिया और उसे पोस्टकार्ड पर लिखकर लैटर बॉक्स में डाल दिया.

जेबकतरा



उफ-फ-हो!
क्या हुआ? पिंकी!
क्लास टीचर ने एक कहानी लिख-कर लाने को कहा था, मगर कोई प्लाट दिमाग में नहीं आ रहा.
मम्मी! आप ठीक कहती हैं. मैं जाती हूं.


यहां का वातावरण लिखने के लिये उपयुक्त है.
कहानी किस विषय पर लिखी जाये?
क्या थकावट मिटाने के लिए मैं इस बैंच पर बैठ सकता हूं?
क्यों नहीं?
अंकल! आप क्या काम करते हैं?
मैं जेबकतरा हूं.
यह तो बहुत बुरा काम है.


आप इस बुरे-काम को छोड़कर कोई भला काम क्यों नहीं करते?
कभी इससे भलाई भी होती है.
भला दूसरों की जेब काटने से भलाई क्या होगी?
सुनो! एक बार मैं थकाहारा
का इंतजार कर रहा था. एक
नहीं आ रही थी दूसरी ऊपर से धूप. मेरा बुरा हाल था.
बस
"तब मैंने एक स्कूटर सवार से लिफ्ट मांगी."
हूं.
"यह सुनते ही ड्राइवर घबरा गया और रफ्तार इतनी तेज कर दी कि वह लाल बत्ती जम्प कर गया."


९०.
मर गये, ट्रॉफिक पुलिस!
लाइसेंस निकालो! तुम लालबत्ती पर नहीं रुके! -- अगली पच्चीस तारीख को कोर्ट में हाजिर हो जाना.
तुम्हारी वजह से मेरा चालान हो गया! भलाई करो और मुसीबत में पड़ो!
मेरी मंजिल अगले चौराहे पर है.
तुम्हें कोर्ट नहीं जाना पड़ेगा. यह लो अपना ड्राइविंग लाइसेंस और चालान की नोट बुक. मैंने उसकी पाकेट मार दी.
धन्यवाद!



वाह! सचमुच तुम्हारी दास्तान दिलचस्प है. अपनी कहानी के लिए मुझे प्लाट मिल गया.
पिंकी! कल तुमने मुझसे रुपया उधार लिया था. वह लौटाओ!
नट्टू! मेरे पास अभी रुपया नहीं है.
तो उसकी जगह मैं तुम्हारा बाल पैन ले लेता हूं.
नट्टू मेरा पैन ले गया. अब मैं कहानी किससे लिखूंगी.
गुड़िया! यह रहा तुम्हारा पैन. नट्टू खाली जेब लेकर घर लौट रहा है.

क्रिकेट और चाकलेट


भीखू! आओ, क्रिकेट खेलें.
अफसोस, हम नहीं खेल सकते.
क्यों? तुम्हारे पास बैट जो है.
एक बॉल भी चाहिए. तभी क्रिकेट खेली जा सकती है.
यह कोई समस्या नहीं है. मैं तुम्हें श्याम अंकल से बॉल ले देती हूं. चलो मेरे साथ.
Co.
© PRAN'S FEATURES



श्याम अंकल! क्या एक बॉल हमें कुछ देर के लिये दे सकते हैं?
क्यों नहीं पिंकी!
मैं अभी अंदर से लेकर आया.
लो इसे!
डपपप!
यह फुटबॉल है. हमें क्रिकेट की बॉल चाहिए.
तो पहले क्यों नहीं साफ-साफ कहा? वह भी मेरे पास है.
यह रही वह!
मुझे परे हट जाना चाहिए. कहीं वह मेरी खोपड़ी न तोड़ दे.


अब हम क्रिकेट खेल सकते हैं.
स्टाकक!
ओहहह! वह गोगन की खिड़की में जा रही है.
खर्र!
खर्र!!


धड़ाक!
आऊऊ!
भीखू! जाकर गेंद लाओ!
कहीं बैट्समैन भी गेंद के पीछे दौड़ता है? यह फील्डर की जिम्मेदारी है.
मगर गोगन बड़ा गुस्सैल आदमी है.
बॉल तो लानी ही है. वर्ना खेल रुक जायेगा.
क्षमा करना हमारी गेंद इधर आयी है..
पहले यह चाकलेट लो. मुझे रेलवे की ड्यूटी पर जाना था. अगर तुम्हारी बॉल मुझे न लगती तो मैं सोता रहता और ऑफिस पहुंचने में देर हो जाती.
कहां
से मिली?
गोगन अंकल ने दी है.


लो बैट. अब तुम खेलो.
मगर तुम अभी आउट नहीं हुए?
कोई बात नहीं. मैं इनिंग डिक्लेअर करता हूं.
धड़ाकक!
ओह हू! गेंद तो गोगन के घर के बाहर ही रुक गयी. अब मुझे चाकलेट कैसे मिलेगी.
मैं गेंद को अंदर फैंकता हूं. उसे क्या पता चलेगा कि यह खेलते हुए अंदर आयी है या किसी ने फैंकी है.


कड़ाक्कक!
क्या यह गेंद तुम्हारी है?
बिलकुल!


पिंकी की पैंसिल
क्या तुमने होमवर्क कर लिया ?
ओह ह! दीदी! तुमने सब गड़बड़ कर दिया.
यह वर्क भी फाड़ना पड़ेगा. मेरा उत्तर गलत हो गया.
यह सब क्या है?
मेरे उत्तर गलत होते रहे और मैं कापी के वर्क फाड़कर फैंकती रही. अब एक भी नहीं बचा जिस पर होमवर्क किया जा सके.
PRAN'S FEATURES


पिंकी! होमवर्क न करना पड़े इसलिए तुम बहाने अच्छे बना लेती हो.
लेकिन लिखाई तो करनी ही पड़ेगी. आओ, मेरे साथ.
मेरी अलमारी में कुछ कापियां रखी हैं.
दीदी! उनमें से एक दे दो न!
यह लो. अब मन लगाकर होमवर्क में जुट जाओ
नहीं बनाना. अध्ययन करना.
मैं समझ गयी!


ओह हू!
कड़ाक!
अब क्या हुआ?
पैंसिल का सिक्का टूट गया. पैंसिल नहीं तो होमवर्क नहीं!
ओह हू! इस लड़की से जीतना मुश्किल है.
मेरी दोस्त मीनी के पास पैंसिल शार्पनर है. मैं वहां जाकर इसे घट लेती हूं.
मीनी! क्या तुम अपने शार्पनर से मेरी पैंसिल घट दोगी?
क्यों नहीं, पिंकी!
यह काम एक मिनट में हो जायेगा.
करच-करच करच!


तुमने इसे काटकर इतना छोटा कर दिया कि इसको पकड़कर लिखना नामुमकिन है.
लो!
तुम्हारी पैंसिल का सिक्का कच्चा था. वह बार-बार टूट जाता था, बड़ी मुश्किल से इतना बचा पायी हूं.
रुको! मैं नयी पैंसिल लाती हूं.
मीनी! मैं नयी पक्की पैंसिल लायी हूं. इसे घट दो.
कड़ाक!
ओहह! अब शार्पनर टूट गया. पिंकी! आज तुम्हारा होमवर्क नहीं हो सकता.



...र वापस जाना चाहिए. जब दीदी होमवर्क के बारे में पूछेंगी तो मैं क्या जवाब दूंगी.
पिंकी! कुछ दिन पहले मैंने तुमसे यह पैंसिल उधार ली थी. मैं इसे लौटाने तुम्हारे घर जा रहा था.
चम्पू! क्या यह घटी हुई है?
बिलकुल!
काम बन गया!
अब मुझे सारे प्रश्न हल कर लेने चाहिए.
पिंकी! क्या तुमने होमवर्क किया?
सारा खत्म कर दिया. यह देखो!



दोस्ती
यह दूर जायेगी.
किक!
धड़ाकक!
लड़के! मैंने तुम्हें कभी पहले
अंकल! मैं 'डी' ब्लॉक में रहता हूं. 'ए' ब्लॉक में किसी दोस्त की तलाश में आया हूं.



इस शैतान लड़के की दोस्ती क्यों न पिंकी से करा दी जाये. दोनों तेज तलवारों की तरह टकरायेंगे.
देखो, वह 'ए' ब्लॉक की हीरोइन पिंकी आ रही है. तुम उससे दोस्ती कर लो!
हेलो! मेरा नाम रॉकी है. क्यों न हम दोनों दोस्त बन जायें?
तुम अपने ब्लॉक के बच्चों से दोस्ती क्यों नहीं करते?
वे सब मुझसे कतराते हैं.
हमारी दोस्ती शायद ज्यादा देर तक न रह पाये?
जब एक जैसे विचारों वाले मिल जाते हैं तो दोस्ती बढ़ती है.


मुझे फुटबाल खेलना बहुत पसंद है. **तुम्हें ?**
मिर्च-मसाले वाला खाना-- .
--जासूसी सीरियल, गणित, जूतों पर पालिश करना --
-- कुत्ते के पिल्लों को पालना, सिक्के इकट्ठे करना, टेलीफोन पर गपशप करना, पार्टियों में जाना --
लेकिन मैंने यह वह लिस्ट बतायी है जो मुझे पसंद नहीं !


सॉरी!
रॉकी! हमारे स्वभाव विपरीत हैं.
जैसे हवा और मच्छर इकट्ठे नहीं रह सकते उसी तरह हमारी दोस्ती नहीं चल सकती.
लेकिन कोई चीज तो ऐसी होगी, जो हम दोनों में सामान्य है.
मुझे रात को आसमान के तारे गिनना अच्छा लगता है. तुम इसे पागलपन समझोगे. आज तक कोई तारे नहीं गिन पाया.
वाह हू! पिंकी, मेरा भी यही शौक है. अगर हम दोनों मिलकर यह काम करें तो एक रात ऐसी आयेगी जब हम आसमान के सारे तारे गिन लेंगे.
तो फिर दोस्ती पक्की!
ताली!


मुझे खुशी है कि मेरा एक दोस्त तो बना.
क्या तुम औरों से दोस्ती करना चाहोगे?
क्यों नहीं? अगर तुम मेरा परिचय अपने दूसरे मित्रों से करा दो तो मैं तुम्हारा एहसान मानूंगा.
देखो! मेरा एक पक्का दोस्त चम्पू आ रहा है. मैं तुम्हारा परिचय उससे कराती हूं.
तुम?
तुम?
उससे कल मेरी लड़ाई खेल के मैदान में हो चुकी है.
जो मेरे दुश्मन का दोस्त है मैं उसके पास खड़ा भी होना पसंद नहीं करूंगा. पिंकी! तुम्हारी-मेरी दोस्ती खत्म!


कुटकट आसमान में
की ! तुम्हारा गुब्बारा बहुत सुन्दर है. कितने का है?
पांच रुपये का, बीथी !
खरीदना ती हूं.
सड़क के आखिर में गैस के गुब्बारे वाला खड़ा है. जाकर ले लो.
धन्यवाद! मैं जाती हूं.
© PRAN'S FEATURES



ओह हृ! मेरी नाक पर खुजली हो रही है. खारिश कैसे मिटाऊं? मेरे दोनों हाथों में नाजुक क्राकरी है.
पिंकी! क्या थोड़ी देर के लिए तुम यह क्राकरी का डिब्बा पकड़ सकती हो, ताकि मैं नाक की खुजली मिटा सकूं.
क्यों नहीं, चम्पू!
कुटकुट! यह गुब्बारा थामो. मुझे चम्पू का डिब्बा पकड़ना है.
खुजाना! खुजाना!



धन्यवाद ! चलता हूं .
कुटकुट?
ओहहह!
बचाओ! -- मेरी गिलहरी को बचाओ!
चलो, नटखट जानवर से छुटकारा मिला. वह मुझे बड़ा परेशान करती थी.
अब कोई मेरे बादाम नहीं कुतरेगा!
?!
मुझे उसके पीछे पीछे दौड़ना चाहिए.


स्टाकक!
फटाकक!
छपाक!
?!
तुम गीली हो गयी हो. आओ, घर जाकर तौलिये से तुम्हारा शरीर पोंछूं.

मीठा तरबूज


मुझे तरबूज खाना अच्छा लगता है.
पिंकी! तभी मैं तुम्हारे लिए एक लेकर आया हूं.
इसे तुम खाना. उम्मीद है यह मीठा निकलेगा.
आप कितने अच्छे हैं, चाचाजी!
बैठिये. कुछ देर गप्पें मारेंगे.
नहीं, इससे पहले कि कुटकुट गिलहरी मेरी पगड़ी में घुस जाये, मुझे यहां से जाना चाहिए
© PRAN'S FEATURES


कुटकुट इस फल को काटकर हम दोनों खायेंगे.
गोपी! भूख लगी है.
नानू! कुछ खाने का इंतजाम करते हैं.
उस तरबूज़ को देखकर मेरा मन ललचा रहा है. मगर उसकी मालकिन पास खड़ी है.
मैं उसे हटाता हूं.
पिंकी! हमारे घर पर तुम्हारा फोन आया है.


अब यह मेरा है.
मैं इसे दूसरी जगह ले जाता हूं. वहां इसे खाऊंगा.
हैलो!-- हैलो!!
शायद कनैक्शन कट गया!
नानू! मैं उसे बेवकूफ बना आया. आओ, अब इसे खायें.


नानू! पीछे देखो!
ओह ह! वह बकरा मेरा तरबूज खाना चाहता है.
भागो!


थप प प!
डप. डप. डप!
मेरा तरबूज!
दादाजी! इसे काटिये. मिलकर खायेंगे.
वाहह!
स्लर्प प!


दादाजी का दोस्त
दादाजी! आज आप बड़े खुश नजर आ रहे हैं?
पिंकी! मेरा एक पुराना दोस्त खैरातीलाल मुझसे मिलने आ रहा है.
हम दोनों कालेज में एक साथ पढ़ते थे. वह फुटबाल का अच्छा खिलाड़ी था. हम दोनों इकट्ठी शैतानियां करते थे.
आप और शैतानियां?
लग गई. कुछ चला गया. कई की कोई खबर नहीं आई.
हम एक दूसरे को भूल से गए थे कि कल अचानक उसकी चिट्ठी आई. लिखा था वह हिन्दुस्तान आया हुआ है.
कहाँ हैं वह?

340


खरैती लाल
होटल में ठहरा है.
अचानक
ताजा हो गई.
जब पुराने दोस्त मिलते हैं तो दिल खुशी से समुंद्र की लहरों की तरह उछलने लगता है. हम बैठ कर पुरानी बातें याद करेंगे.
तक तो
था?
कहीं वह भटक न गए हों?
नहीं. वह बच्चा नहीं कि खो जाए. मकान ढूंढने में उसे जरूर परेशानी हो सकती है.
दादाजी! क्यों न मैं सड़क की नुक्कड़ पर खड़ी हो जाऊं और खैरातीलाल को घर तक ले आऊं?
अच्छा आइडिया है.



खैरातीलाल का सन् 1940 का एक फोटो मेरे पास पड़ा है. उसे पहचानने में यह तुम्हारी मदद करेगा.
यह देखो.
काफी रौबीले व्यक्तित्व के थे.
बस, अब आप निश्चिंत होकर बैठिए. मैं जाकर बाजार की नुक्कड़ पर खड़ी हो जाती हूं और आपके दोस्त को बिना तकलीफ के घर लाती हूं.
पिंकी! आज कोई खेलने को साथी नहीं है. आओ, हम दोनों खेलें.
दादाजी के दोस्त खैरातीलालजी अमरीका से आए हैं. बिना तकलीफ के घर तक ले जाने का बीड़ा उठाया है.
इस काम में मैं तुम्हारे साथ हो लेता हूं. यह भी एक खेल जैसा ही है.



हम करते हैं
अमरीका से आएं हैं तो जरूर सूटेड-बूटेड होंगे.
वह आदमी कुछ तलाश रहा है? शायद हमारा घर? इस फोटो से उसकी शक्ल मिलती है.
अंकल! आप हमारा घर ढूंढ रहे हैं न? दादाजी ने हमें आपको लिवा लाने भेजा है?
आपका नाम खैरातीलालजी है न?
आप अमरीका से आए हैं न?
आइए, हमारे साथ, घर चलें.
खैरातीलाल नहीं, लाल हूं. और रहा हूं रेलवे के लिए किसी रहा था.


क्या आप सन् 1940 में मेरे दादाजी के साथ कालेज में नहीं पढ़ते थे?
तब मैं पैदा भी नहीं हुआ था. समझी?
आइए साहब! टैक्सी में बैठिए. यह लड़की लोगों को फिजूल में परेशान करती रहती है.
TAXI
पहचानने में गलती हो गई.
सर्राट!
फिर यहां इंतजार में नुक्कड़ पर खड़े हो जाते हैं.
चम्पू! वह देखो.
मगर पिंकी! लगता है उसकी दाढ़ी बने मुद्दत हो गई है? वह दादाजी का दोस्त नहीं हो सकता.
तो क्या हुआ?



अंकल! क्या आपका नाम खरैतीलाल है?
कोई शक?
आप हमारे दादाजी के पास जा रहे हैं?
बिलकुल.
क्या १९४० में खींचा गया यह फोटो आपका है.
तुमने ठीक कहा.
क्या आप कभी फुटबाल के खिलाड़ी थे?
मोहन बागान की तरफ से मैं सेंटर फारवर्ड पर कई बार खेल चुका हूं.
खिलाड़ी मेराडोना
को किक मारना मैंने
था.
तो ठीक है. दादाजी ने हमें आपको लेने भेजा है. वह आपका इंतजार कर रहे हैं. चलिए.
पागलखाना
खरैती! चलो, चुपचाप गाड़ी में बैठो.
?


यह खैरातीलाल पागलखाने से बार बार भागकर हमारे लिए मुसीबत खड़ी कर देता है.
चलो यहां खड़े होकर फिर अमरीका वाले खैरातीलाल का इंतजार करो.
नहीं!
यह वही अमरीका वाले खैरातीलाल लगते हैं.
मगर तुमने कैसे पहचाना?
बेचारे अजनबी हैं. हमारा मकान ढूंढते ढूंढते गलत घर में घुस गए होंगे. मकान मालकिन ने डांटकर निकाल दिया.
लगता है आप गलत घर में घुस गए थे?
तुमने ठीक कहा.


एक मकान में मेरी मदद करो.
मैंने कोई सहायता केंद्र नहीं खोल रखा! मैं सिर्फ इन साहब को अपने घर ले जाने के लिए आई हूं. समझे?
आइए! दादाजी आपका इंतजार कर रहे हैं.
सचमुच मुझे भी उनसे मिलकर बड़ी खुशी होगी. आज सवेरे से माल बिलकुल नहीं बिका.
मतलब
मैं घर घर जाकर अपनी कम्पनी का यह नायलोन का उत्कृष्ट टूथब्रश बेचने वाला सेल्समैन हूं. मुझे उम्मीद है, तुम्हारे दादाजी एक ब्रश तो जरूर खरीद लेंगे.
अब और इंतजार करना फिजूल है. घर चलो और कह दो कि मेहमान नहीं आए.
मिलो, आए हैं.
यह तो वही हैं?
आप तो कहते थे कि वह अमरीका में---?
हां, इन्होंने कुछ उलटा किया. अमरीका जाकर पक्के गांधीवादी बन गए और खद्दर पहनने लगे.


पिंकी! क्या यह तुम्हारी कापी का फटा पृष्ठ है?
तुमने जो प्रश्न हल किया क्लास टीचर ने दस में से ज़ीरो नंबर दिया. यह देखो! कहीं मुझे पता न चल जाए, इसलिए तुमने यह पृष्ठ फाड़कर फैंक दिया.
मुझे क्लास टीचर ने दस में से दस नंबर दिए. देखो, पापा! यह पृष्ठ अचानक फट गया. मैं इसे ढूंढ रही थी!
शत शत अंक?
तुम्हें इनाम मिलना चाहिए.
यह लो पांच रुपए. खर्च लेना.



का
जाए?
धड़ाम!
अरे, झपटजी के घर यह शोरगुल कैसा?
बड़ाम!
बात
नहीं!
हां!
नहीं!
हां!
यह लाटरी पर सैंकड़ों रुपया बर्बाद कर चुके हैं.
सैंकड़ों कैसे? टिकिट सिर्फ पांच रुपए का है.
एक टिकिट हर हफ्ते
महीने में बीस रुपए के
दो सौ चालीस रुपए के
सालों में कितने रुपए
दो हजार चार सौ रुपए.
और आज तक एक भी इनाम नहीं निकला.


तुम्हें यह बुरी लत छोड़नी पड़ेगी.
मगर दुकानदार यह टिकिट वापस नहीं लेगा.
चलो मैं झगड़ा निपटाए देती हूं. आप यह टिकिट मुझे बेच दीजिए.
पांच रुपए तो गए, लेकिन मैंने एक परिवार की लड़ाई सुलझा दी.
दूसरे दिन
क्या हुआ?
अखबार में लाट्री का परिणाम निकला है. जो टिकिट पिंकी ले गई है उसका नंबर मैंने चिट पर लिखकर रख लिया था.
हैं!?? उस टिकिट ने दस लाख रुपए का पहला इनाम जीता है.
जिन्दगी में पहली बार इनाम निकला और टिकिट मैंने खो दिया. पिंकी के पास जाना चाहिए.


पिंकी! वह लाटरी का टिकिट कहां है?
क्यों?
उस टिकिट ने दस लाख रुपए का इनाम जीता है.
करो. उसे अलमारी में रखा है.
क्या हुआ?
वह टिकिट चूहा कुतर गया!


बादशाह
दादाजी! क्या मैं एक टेलीफोन कर लूं?
नहीं. मेरा एक जरूरी फोन आने वाला है
तुमने एक बार टेलीफोन किया तो घंटों गपशप खत्म नहीं होगी.
इसलिए जब तक मेरा जरूरी टेलीफोन नहीं आ जाता, कोई फोन नहीं कर सकता.
आ गया मेरा फोन!
ट्रिन! ट्रिनन!!
क्या हुआ?
रांग नम्बर.


नम्बर क्यों आ
दादाजी! फिर फोन की घंटी बजी.
ट्रिन! ट्रिन न!!
हां, तुम्हारा है.
एक मिनिट से ज्यादा बात नहीं करना. समझी?
मियां?
हां, पिंकी. क्या तुम दो घंटे के लिये हमारे बादशाह की रखवाली कर सकोगी? मैं तुम्हें टाफियों के लिये पैसे दूंगा.
अब्दुल मियां! मैं आ रही हूं.


दादाजी ! मैं जा रही हूं. आप अपने जरूरी टेलीफोन का इंतजार करो.
अब्दुल मियां ! कहां है बादशाह?
वह रहा. मैं मैटिनी शो का टिकिट ले आया हूं. अब समस्या यह है कि इस बादशाह को अपने साथ ले जा नहीं सकता. सिनेमा हाल में पशुओं को दाखिल नहीं होने देते.
आप बेफिक्र होकर फिल्म देखने जाओ. पीछे से बादशाह को मैं सम्भाल लूंगी.
इसे बाहर न ले जाना. यह नटखट है.
पिंकी ! तुम यहां?
मैं अब्दुल मियां के बादशाह की रखवाली कर रही हूं.


बादशाह को दौड़ायें? अच्छा तमाशा रहेगा.
मियां ने इसे जाने से मना किया
हम इस बकरे के साथ घंटा, डेढ़ घंटा खेलेंगे. फिर अब्दुल मियां के आने से पहले इसे यहां लाकर बांध देंगे. उन्हें क्या पता चलेगा?
हुर्रे! भागो!
कहो कैसी रही?
बढ़िया. इसे और तेज दौड़ाओ.
ओह! रस्सी टूट गयी! बकरा भागा जा रहा है.
उसे पकड़ो! अगर वह कहीं खो गया तो हम अब्दुल मियां को क्या जवाब देंगे?


वह रहा बादशाह !
क्या यह बकरा तुम्हारा है?
हां.
यह मेरा कीमती पौधा खा गया है. जब तक इसका हर्जाना नहीं मिलता, मैं यह बकरा नहीं छोड़ूंगा.
मगर हमारे पास कोई पैसा नहीं.
यह फ्राक और सैंडिल तो हैं? इन्हें उतार दो, मेरी बेटी पहन लेगी.
ठीक है. आप हमें यह बकरा वापस दे दीजिए.
हमारे साथ बुरी हुई. चलो, घर वापस.


SWIMMING POOL
पिंकी! अब्दुल मियां को घर लौटने में अभी काफी देर है. क्यों न थोड़ी देर इस स्विमिंग पूल में नहा लें?
मगर यह बादशाह कहीं फिर कोई गड़बड़ न कर दे?
इसको बैंच के साथ बांध देते हैं. यहां से यह कहीं नहीं जा सकेगा.
कपड़े उतारकर बैंच पर रख दूं. नहाकर पहन लूंगा.
छपाक!
आओ, डुबकी लगायें.


ओह! वह मेरे कपड़े और बूट खा गया!
घर चलो. यह कमबख्त कहीं और नुकसान न कर दे?
अब हमारे पास बचा ही क्या है?
कपड़ों का क्या होगा?
सोचने दो.
अरे? पिंकी! तुम्हारे कपड़े?
यह तुम्हारे बादशाह के कारण हुआ
यह सौ का नोट रखो. तुम्हारे और चंपू के कपड़े आ जायेंगे.


अब्दुल मियां! तुम कितने अच्छे हो? पर तुम्हें फिल्म बड़ी महंगी पड़ी.
कोई बात नहीं. पर मेरे पास यह आखिरी नोट है.
ओह! सौ का नोट गिर गया.
ह ह ह!
नोट खा गया!
अब ऐसे ही घर जाना पड़ेगा.
दादाजी! आपका जो महत्वपूर्ण टेलीफोन आना था क्या वह आ गया?
हां.
किसका था?
मेरे मित्र ज्योतिषी का. उसने भविष्यवाणी बताई कि अगर आज पिंकी घर से बाहर गयी तो वह बिना फ्राक और जूतों के लौटेगी.


पिंकी की शिकायत
बेटी ! क्या लिख रही हो ?
खिलौनों की कंपनी को शिकायत.
मैंने यह जो बस खरीदी थी, खराब है. ठीक से चलती नहीं.
शिकायत लिखने से कुछ नहीं होगा. कंपनी उस पर गौर नहीं करेगी. तुम पत्र पर पोस्टेज का एक रुपया गंवाओगी.
मैं खुद जाकर यह चिट्ठी मैनेजर को दूंगी, और उससे इस टूटी बस के बदले नयी बस की मांग करूंगी.
यूंही अपना वक्त बर्बाद करोगी.


उपभोक्ता के भी कुछ अधिकार होते हैं.
अरर! लड़की किधर जाती हो?
मुर्ख मैनेजर को इस बस के बारे में शिकायत पत्र देना है.
जाओ!
कहां पर हो
इस भवन की तीसरी मंज़िल पर. किसी को उनसे मिलने की इजाज़त नहीं.
TOYS
© PRAN'S FEATURES


अगर मैं घर खाली हाथ लौट आयी तो पापा मेरी खिल्ली उड़ाएंगे.
कहते हैं जहां चाह वहां राह.
जो मैं शिकायत पत्र लायी थी क्यों न उसका जहाज बनाकर मीटिंग हाल में पहुंचा दूं.
जाओ!
घप प प प!
यह क्या बदतमीजी है?

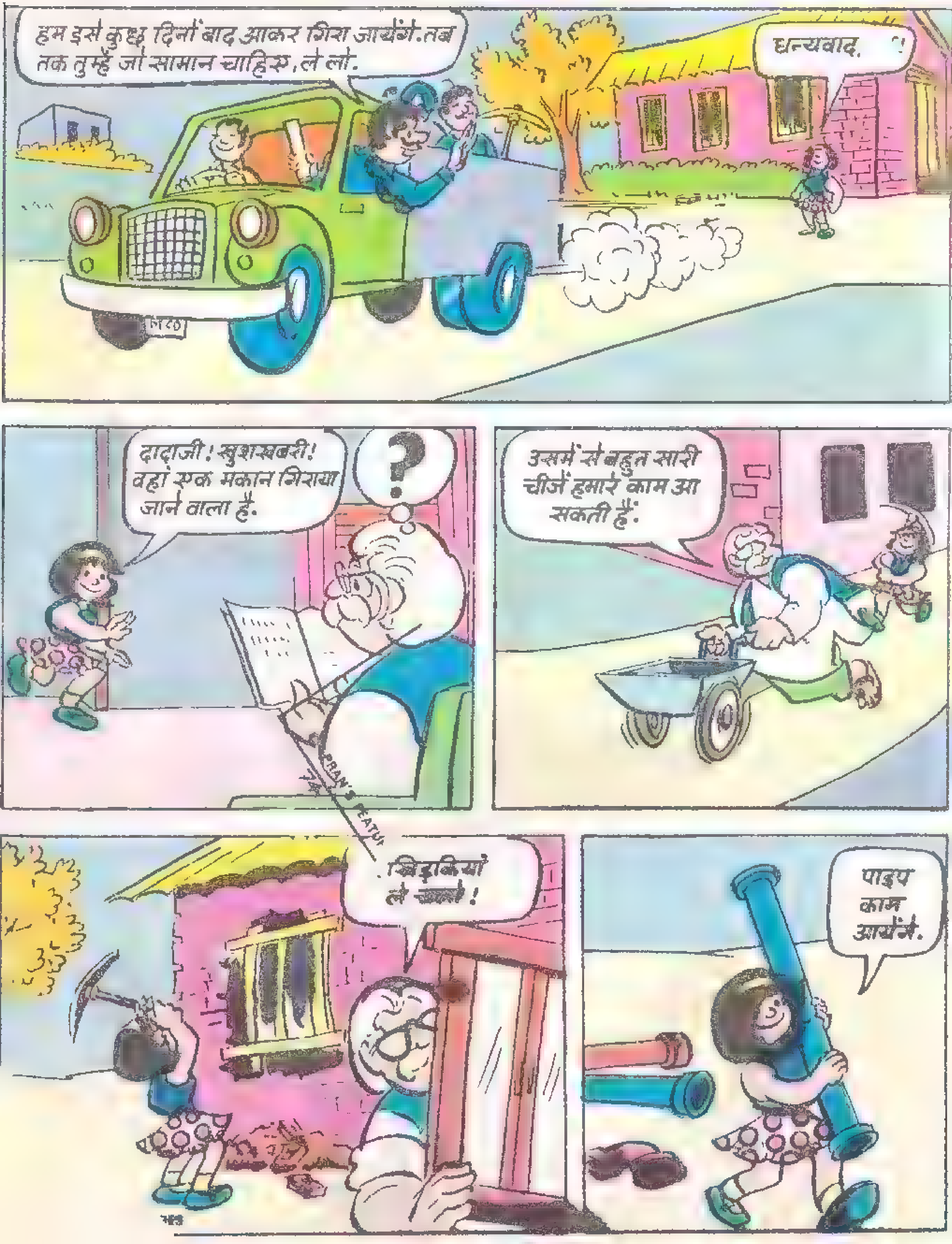


साहब! यह किसी लड़की
है जिसमें हमारे खिलौने में
डिफैक्ट की ओर
दिलाया गया है.
मैनेजर! जाओ, उस बच्ची से बात करो.
शुक्र है, लिफ्ट तैयार मिल गयी.
बेटी! क्या यह चिट्ठी तुमने लिखी है?
हां.
धन्यवाद! तुमने मुझे बोर्ड की बोर मीटिंग से छुटकारा दिलाया, मैं तुम्हें बहुत खिलौने दूंगा.
पिंकी! यह क्या?
मैनेजर साहब ने मुझे इतने सारे इलैक्ट्रोनिक्स खिलौने दिये.

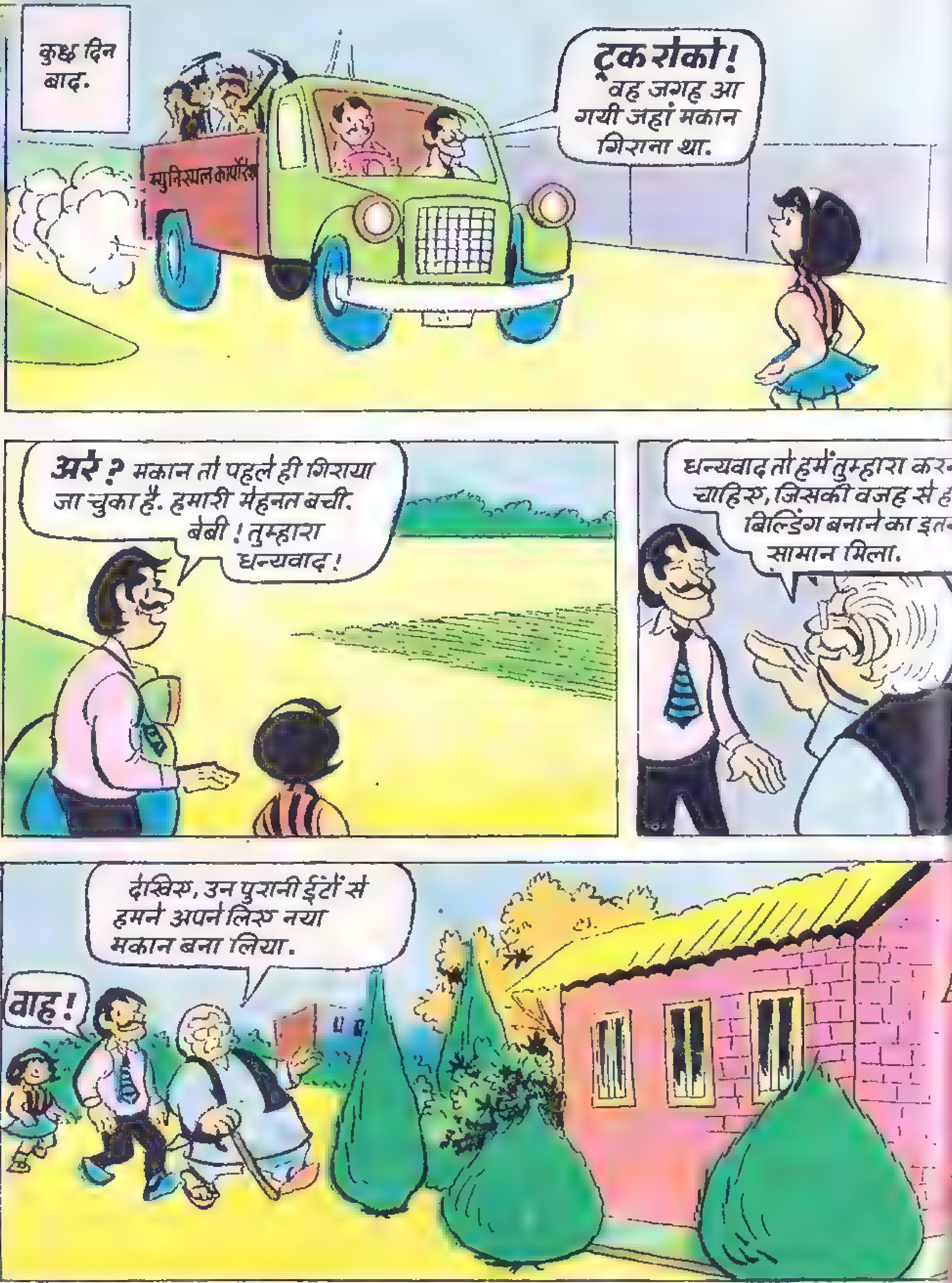

मकान
अररर! पिंकी, वह कमीज कूड़ेदान में क्यों फेंक रही हो ?
दादाजी ! यह पुरानी फटी हुई है. पापा ने इसे फेंकने को कहा है .
कमीज चाहे फट गयी हो. लेकिन इसके बटन तो साबुत हैं ! ये काम आ सकते हैं .
मैंने बटन उतार लिए. इन्हें मैं कुर्ते में टांक लूंगा. बेकार अब तुम फेंक सक



यह गयी कूड़ेदान में.
अरे? उस मकान के पास कार्पोरेशन का ट्रक? वह यहां क्यों आया है? जाकर पूछना चाहिए.
कार्पोरेशन
यह मकान अनाधिकृत है. इसे हम गिराने आये हैं.
म्युनिसपल कार्पोरेशन
इस मकान की कुछ चीजें दादाजी के काम आ सकती हैं.
इस मकान में से कुछ चीजें अगर हम निकाल लें तो आपको एतराज तो नहीं.
बिलकुल नहीं.


हम इसे कुछ दिनों बाद आकर गिरा जायेंगे. तब तक तुम्हें जो सामान चाहिए, ले लो.
धन्यवाद.
दादाजी! खुशखबरी! वहां एक मकान गिराया जाने वाला है.
?
उसमें से बहुत सारी चीजें हमारे काम आ सकती हैं.
PRAN'S FEATURES
खिड़कियां
पाइप काम आयेंगे.


की शीट्स ले चलो.
और ईंटें भी.
अब खाली प्लाट बचा है.
उसे हम नहीं ले जा सकते.
हमारे घर के पास जगह खाली है. जो मकान बनाने का सामान लाये हैं उससे अपने लिए एक नयी ईमारत खड़ी कर लेते हैं.
वाह दादाजी! बेकार चीजों से नयी वस्तु बनाना कोई आपसे सीखे.



कुछ दिन बाद.
म्युनिस्पल कार्पोरेशन
ट्रक रोको! वह जगह आ गयी जहां मकान गिराना था.
अरे? मकान तो पहले ही गिराया जा चुका है. हमारी मेहनत बची. बेबी! तुम्हारा धन्यवाद!
धन्यवाद तो हमें तुम्हारा करना चाहिए, जिसकी वजह से हमें बिल्डिंग बनाने का इतना सामान मिला.
देखिए, उन पुरानी ईंटों से हमने अपने लिए नया मकान बना लिया.
वाह!



पिंकी! आओ, मकान की सजावट के बारे में कुछ सोचें.
उधर सोफा सैट रखेंगे, इधर बुक शैल्फ.
उस कोने में टी.वी. और वहां डायनिंग टेबल.
आप तकलीफ न करें. मकान को हम खुद सजा लेंगे.
बिना इजाज़त यह कौन कमबख्त अंदर आ गया. चलो! निकलो बाहर!
निकलिए आप! जिस जमीन पर यह मकान बनाया गया है वह प्लाट मेरा है. इसलिए यह घर मेरा हुआ.
आओ, पिंकी!



बजरंगी का कर्ज
गब्दू ! किसके इंतजार में बैठे हो ?
बिल्लू के. वह आये तब हम क्रिकेट खेलें.
क्या तुम अकेले यह खेल नहीं खेल सकते ?
नहीं, इसमें एक बाउलर चाहिए दूसरा बैट्समैन.
मैं बिल्लू के घर जाकर उसे लाती हूं.
जल्दी !


पता नहीं उसके घर का दरवाजा बंद क्यों है?
पिंकी! जल्दी से अंदर आ जाओ.
तुम खेल के मैदान में नहीं पहुंचे? गब्दू वहां इंतजार कर रहा है.
मेरा दिल भी क्रिकेट खेलने को करता है. लेकिन मजबूरी है.
क्या?
एक हफ़्ता पहले मैंने बजरंगी पहलवान से दस रुपये उधार लिए थे. लेकिन उन्हें चुका नहीं पाया. बाहर निकलते ही वह मेरी हड्डियों का पाउडर बना देगा.


मैं जाकर बजरंगी को रास्ते से हटाने की कोशिश करती हूं.
मुझ पर एहसान होगा.
बजरंगी दादा! मैं बिल्लू का कर्ज उतारने आयी हूं. कितना है?
10 रुपये!
परंतु हमारे हिसाब से हमने तुम्हारे 24 रुपये देने हैं.
वह कैसे?
हमने एक फायनेंस कंपनी खोली है, जो एक दिन का ब्याज 20 प्रतिशत देती है. तुम्हारे दस रुपयों पर सात दिन का ब्याज 14 रुपये हुआ. मूलधन मिलाकर कुल 24 रुपये हुए या नहीं?
हैं??


वह सेठ बिल्लू के घर की तरफ जा रहा है.
वह हमारी फायनेंस कंपनी में रूपया जमा कराने आया होगा.
पिंकी! मुझे जल्दी नहीं है. बिल्लू मेरे पैसों को एक हफ़्ता और रख सकता है. तब ज्यादा ब्याज बनेगा.
जाओ, क्रिकेट खेलो! बजरंगी चला गया.
सेठजी! मकान नं. 127 इधर है.
हां, लेकिन मुझे फर्स्ट फ्लोर पर जाना है.



किसका पिल्ला ?


चम्पू! तुम बड़े होकर क्या बनोगे?
ध्यानचन्द जैसा हाकी का चैम्पियन.
और ओलम्पिक में मैच जीत कर भारत के लिए गोल्ड मेडल लाऊंगा.
मैं भी महिला हाकी टीम की कप्तान बनूंगी.
© PRAN'S FEATURES



?
चूं! चूं!!
चम्पू! इधर आओ! देखो, एक पिल्ला गड्ढे में गिर पड़ा है. इससे बाहर नहीं निकला जा रहा.
चूं! चूं!!
हमें इसको बाहर निकालना चाहिए.
पिंकी! तुम हाथ डालकर उसे ऊपर उठा लो.
मेरा हाथ उस तक नहीं पहुंचेगा. तुम्हारा बाजू लंबा है. वह उस तक पहुंच जायेगा.
नहीं, मैं गड्ढे में हाथ नहीं डालूंगा, अगर पिल्ले ने मेरी उंगली काट ली तो?
तब तुमने मुझे क्यों उसे उठाने को कहा था?


ठीक है. हम दोनों में से कोई उस कुत्ते की मदद नहीं करेगा. आओ, अपना खेल जारी रखें.
चूं! चूं!!
कहां जा रही हो ?
वह रो रहा है. मुझसे उसकी मदद किए बगैर नहीं रहा जाता.
चूं! चूं!!
आ जाओ ! अच्छे पप्पी.
उसने हाकी पकड़ ली. अब मैं उसे उठा लूंगी.
ओह ! वह फिसलकर फिर गड्ढे में गिर गया.
चूं! चूं!!


कोई और उपाय सोचना होगा.
चूं!..
घर से मैं चमड़े के दस्ताने लाती हूं. उन्हें पहनने के बाद पिल्ले द्वारा हाथ काटे जाने का डर नहीं रहेगा.
यह रहे.
लाओ, मैं इन्हें पहनकर उसे पकड़ लूंगा और वह सुरक्षित बाहर आ जायेगा.
अहा! वह मेरे हाथ में आ जायेगा.
कहो? आखिर तुम बाहर आ ही गये.
अगर हम इसे बाहर न निकालते तो यह गड्ढे में भूखा प्यासा मर जाता.


चम्पू ! पिल्ले को लेकर कहां चल दिये?
घर. मैं इसे पालपोस कर बड़ा करूंगा. यह हमारे घर की रखवाली करेगा.
लेकिन इसे मैं पालूंगी.
इसे गड्ढे से निकाला मैंने और इस पर हक तुम जमाना चाहती हो ?.
अगर मेरे दस्ताने न होते तो तुम इसे न निकालते.
मेरे दस्ताने उतार दो ! **इसी वक्त!**
यह पिल्ला मेरा है.
अभी नहीं दे सकता.


जल्दी से घर पहुंचकर मुझे अंदर से दरवाजा बंद कर लेना चाहिए.
गरररर!!
वह अपने परिवार से जा मिला.
यह रहे तुम्हारे दस्ताने.



शेरजंग की बन्दूक
पलासी की लड़ाई 1757 में लार्ड क्लाईव और सिराज-उ-दौलाह में हुयी थी.
ठांय!
पलासी की लड़ाई 1757 में लार्ड क्लाईव...
ठांय! ठांय!
ठांय!
शेरजंग! मैं तुम्हारी बंदूक की आवाज़ में पढ़ नहीं सकता. कल मेरा इम्तहान है!
© PRAN'S FEATURES


विद्याधर! कल मेरा भी इम्तहान है. मैं आल इंडिया शूटिंग चैम्पियनशिप में हिस्सा ले रहा हूं. कमबख्त एक भी निशाना उस चिड़िया को नहीं भेद रहा.
गोली मार दूं.
ठांय!
ओह ह! मेरा दुर्भाग्य!
क्यों परेशान हो?
पिंकी! मैं इम्तहान में फेल हो जाऊंगा.
मगर तुम तो पूरे राज्य में फर्स्ट आते हो.
ठांय
वह देखो. ऐसे शोर में कोई क्या याद कर सकता है?


तुम पढ़ना जारी रखो. मैं बाहर जाकर बंदूक की फायरिंग बंद कराती हूं.
मगर पिंकी! शेरजंग गुस्से में है. कहीं वह तुम्हें गोली न मार दे!
लड़की! पीछे हट जाओ!
ठांय! ठांय!
इतना गुस्सा किस लिए?
एक भी गोली निशाने पर नहीं बैठ रही.
मुझे अपनी बंदूक दिखाओ!
हूं! तुम्हारी बंदूक की नली में एक कंकड़ अटका हुआ है. कारतूस बाहर नहीं निकल पाते.


बंदूक की नली में उंगली डाल कर अगर तुम वह कंकड़ निकाल दो तो फिर कारतूस बाहर निकलेंगे और निशाने को भेदेंगे.
को निकालता हूं.
ओह ह! मेरी उंगली नली में फंस गयी! वह बाहर नहीं निकल रही.
यह उंगली बाहर कैसे निकलेगी?
उंगली या बंदूक, दोनों में से एक को काटना होगा.
उंगली कटवाना चाहते हो तो डाक्टर के पास जाना. अगर बंदूक की नली तो लोहार के पास.



पिंकी और जुराब
दफ़्तर जाने का टाइम हो गया है
अरे, एक ही जुराब! दूसरी कहां है?
पिंकी! मेरी दूसरी जुराब नहीं मिल रही. कहीं तुमने उसे गलत जगह पर तो नहीं रख दिया?
नहीं, पापाजी!
अलमारी में ही दूसरी होगी. आपने ठीक से देखा नहीं होगा.
यह रही दूसरी जुराब!
मगर यह मेरी नहीं है.
© PRAN'S FEATURES


उस पर चेक है.
यह चेक वाली जुराब भी एक है. इसका मतलब यह हुआ कि किसी ने भूल से एक पांव में चेक वाली दूसरे पांव में स्ट्राइप्स वाली जुराब पहन रखी है.
पिंकी ! कहां जा रही हो ?
दादाजी के पास. उन्होंने शायद दो अलग जुराबें पहन रखी हैं.
देखो ! इस वक्त दादाजी के दोस्त चोपड़ा साहब बैठे हैं. अगर तुम उनके सामने दादाजी के पांव देखोगी तो बेइज़्ज़ती होगी.


मम्मी! दादाजी ने गलत जुराबें तो नहीं पहन रखीं, यह देखने के लिए मुझे एक तरकीब सूझी है. तुम इसे पकड़ो.
मेहमान को पता नहीं चलेगा कि मैं दादाजी की जुराबें देख रही हूं.
दादाजी प्रणाम!
हैं?? इससे पहले इस लड़की ने कभी मुझे प्रणाम नहीं किया!
कितनी आदर्श बच्ची है.
?
मम्मी! दादाजी ने सचमुच पापा की एक जुराब पहन रखी है.



लेकिन उनके मित्र के सामने हम दादाजी को यह कैसे बतायें ?
मैं फिर कोशिश करती हूं.
दादाजी! मैं आपको बुला रही थी.
लेकिन मैंने तो नहीं सुना.
आपके कानों में मैल जमा हो गयी है. अपना कान इधर लाइए. साफ कर दूं.
दादाजी ! दरअसल आपने दो अलग तरह की जुराबें पहन रखी हैं.
!!
भई चोपड़ा ! मैं अभी आया.
लो अपनी जुराब. मेरी मुझे दे दो!


भोला भालू वाला
डम! डमा!!
डम!!
कुटकुट! कहां जा रही हो?
डमा! डम!!
वाह! आलू के सिर पर गिलहरी!
यह खूब रही!
© PRAN'S FEATURES


तमाशा करने से पांच
एक वक्त की रोटी आ जायेगी.
बाबा! तुम्हारा नाम क्या है?
भोला भालू वाला.
नहीं. मेरी कुटकुट तो यूं ही फुदकती रहती है.
अच्छा,
सियाराजा साहब! कैलेंडरों की जगह आपने जंगली जानवरों से कमरा सजा रखा है.
घीसू! यह सब मैंने शिकार में मारे हैं.


सब जानवरों के सिर टंगे हैं मगर एक रीछ के सिर की कमी खटकती है.
तुम ठीक कहते हो.
मैंने जंगलों में भालू को बहुत ढूंढा, मगर वह नहीं मिला.
भोला भालू... वाला...
काम बन गया. घीसू! जाओ उससे भालू खरीद लो!
कहो भई! यह भालू बेचोगे?
हुजूर! यह तो हमारी रोजी-रोटी है. तमाशा दिखाते हैं कुछ सिक्के इकट्ठे हो जाते हैं. यह न रहा तो हम भूखे मर जायेंगे.


सियाराजा साहब! वह भालू बेचने से इंकार करता है.
उस कलंदर की यह हिम्मत?
मुझे उस जानवर का सिर दीवार पर टांगने के लिए चाहिए. मैं उसे मार-कर वह हासिल कर लूंगा.
नहीं हुजूर! इसे मत मारो!



पीछे हट जाओ!
नहीं साहब! वह मर गया तो मैं जिन्दा कैसे रहूंगा?
तो फिर तुम दोनों एक साथ मरो!
तड़ाक!
आऊ ऊ!
धन्यवाद बेटी!
ओह!


बड़ी किताब
पिंकी ! उदास क्यों बैठी हो ?
मम्मी !
परीक्षाएं समाप्त हो गयीं. गरमी की दो महीने की छुट्टियां हैं. बैठी बोर हो रही हूं.
तुम्हारे लिये कहानियों की किताब लायी हूं.
वाह ! काफी मनोरंजक कहानियां हैं. छुट्टियां अच्छी बीतेंगी.
मेंढक राजकुमार के बाद सुनहरी परी की कहानी पढ़ी जाये.
© PRAN'S FEATURES


मम्मी ! यह किताब तो मैंने एक घंटे में पढ़ डाली. अब क्या करूं ?
तुम इसे अपने किसी मित्र की किताब से बदल लो.
अच्छा सुझाव है. इस तरह कुछ भी पैसा खर्चे बगैर मैं नयी कहानियां पढ़ सकूंगी.
पिंकी ! कहां जा रही हो ?
भीखू ! मैं किसी से अपनी कहानियों की किताब बदलने जा रही हूं.
तुम उसे मेरी किताब से बदल सकती हो !
तुम्हारी किताब मेरी पुस्तक से छोटी है.


उसमें कम कहानियां होंगी. यह सौदा मुझे मंजूर नहीं.
पिंकी ! किताब लिए
रीटा दीदी ! मैं इसे किसी की किताब से बदलने निकली हूं.
तुम इसे मेरी किताब से बदल सकती हो . इसमें कई कहानियां हैं.
तुम्हें अपनी किताब पढ़ने में कितना वक्त लगा ?



नहीं, मुझे और बड़ी किताब चाहिए.
पिंकी! कहो, तुम अपनी किताब मेरी किताब से बदलोगी?
गब्दू! तुम्हारी किताब में कितने दिनों तक पढ़ने का मैटर है?
तुम इस किताब को दो महीनों से पहले खत्म नहीं कर सकती.
बस. ठीक है. आओ हम किताबें बदल लें.
अब हम दो महीने बाद यहीं मिलेंगे.
हैं??? गणित की किताब!


पिंकी
प्राण
एम. सी. सी. यानि मूर्ख क्रिकेट क्लब ने हमारे सी. सी. सी. अर्थात् चौका छक्का क्लब को मैच के लिए चैलेंज किया है.
चैलेंज मंजूर है.
मैं अपनी टीम का ओपनिंग बैट्समैन
मैं स्पिन बाउलर.
मैं!
मैं!
© PRAN'S FEATURES


जब सहमति न हो, तो किसी निर्विवाद आदमी को बाहर से चुनना चाहिए.
मैं एक कैप्टन मल्होत्रा को जानती हूं. वह हमारी टीम को एम. सी. सी. के खिलाफ लीड करेंगे. मैं उन्हें लेने जा रही हूं.
कैप्टन मल्होत्रा
डिंग-डोंग!
कहो?
कैप्टन! हमारी इच्छा है कि आप हमारे चौका छक्का क्लब की क्रिकेट टीम के कैप्टन बनकर उसे लीड करें.
मुझे अफसोस है, मैं यह नहीं कर सकता.
क्यों? क्या आपने हमारे विरोधी मूर्ख क्रिकेट क्लब का कैप्टन बनना स्वीकार कर लिया है?


नहीं ! मैं हवाई जहाज चलाने वाला कैप्टन हूं . क्रिकेट से मेरा क्या वास्ता ?
तो क्या हुआ ?
अगर मैं बल्लेबाजी करूंगा तो वही होगा, जो श्रीकांत के हवाई जहाज उड़ाने पर होगा.
देखिए, आप टालिये मत. यह हमारी टीम की इज्जत का सवाल है.
नहीं! सौ बार नहीं!!
रास्ता छोड़ो. जहाज पर यात्री बैठ चुके हैं. मुझे उसे बम्बई ले जाना है.
देखिए, हम आपकी फीस थोड़ी ज्यादा दे देंगे और मैच जीतने पर जो ट्रॉफी मिलेगी, वह भी आप रख लेना. हमारी टीम को लीड करो


ओफ हो! यात्री जहाज 4 के उड़ने का इंतजार कर रहे हैं. वे मुझ पर गुर्रा रहे हैं.
देखिए, अगर हमारी टीम जीतेगी तो कैप्टन होने के नाते आपका फोटो अखबारों में छपेगा.
नहीं!
अगर आप नहीं मानते तो जाइए.
कैप्टन! एअरपोर्ट इधर है. आप उलटा भाग रहे हैं.
मेरी वजह से जिन यात्रियों को देरी हुई है- वे आ रहे हैं.

पिंकी और बिमी

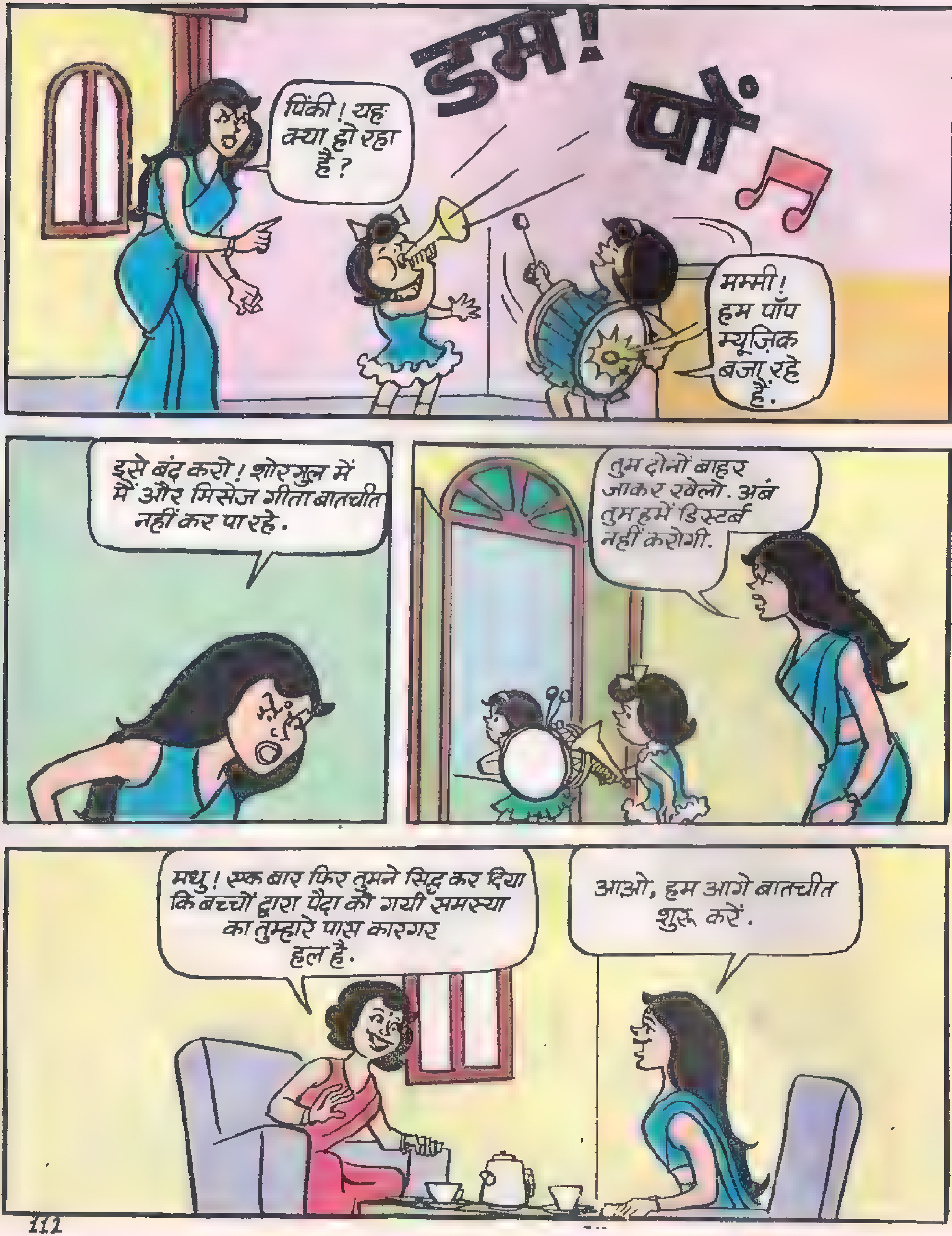


मम्मी ! आप बार-बार घड़ी देख रही हैं. क्या कोई आने वाला है ?
हां, पिंकी ! मेरी सहेली, मिसेज गीता मुझसे मिलने आ रही है.
हम दोनों बैठकर, 'बच्चों को अनुशासन में कैसे रखें ?' इस विषय पर विचार-विमर्श करेंगे.
डिंग-डांग !
लगता है वह आ गयी.
© PRAN'S FEATURES


आओ, गीता! तुम ठीक समय पर पहुंच गयीं!
पिंकी!
विमी!
लो, चाय!
कुछ बच्चे बड़े शैतान होते हैं. मेहमानों का नाक में दम कर देते हैं.
इस में बच्चे का कोई दोष नहीं. उसकी मां को चाहिए कि वह बच्चे को सही दिशा दिखाये.
विमी! देखो, मेरी गेंद कितनी उछलती है!
ओह!
छपाक!



तुम्हारी गेंद से मिसेज गीता की चाय बर्बाद हो गयी. जाओ। तुम दोनों दूसरे कमरे में खेलो !
देखा ! मैंने किस होशियारी से समस्या को सुलझा दिया ? न बच्चे इस कमरे में रहेंगे, न हमारी बातचीत में विघ्न पड़ेगा.
सचमुच तुम कितनी कुशल मां हो !
मैंने बड़े हठी बच्चों को चुटकी मारकर सीधा कर दिया है.
तैयार ? वन ! टू !! थ्री !!!
डम! डमा! डमममम!
पपपों!!


पिंकी! यह क्या हो रहा है?
डम!
पों
मम्मी! हम पॉप म्यूज़िक बजा रहे हैं.
इसे बंद करो! शोरगुल में मैं और मिसेज गीता बातचीत नहीं कर पा रहे.
तुम दोनों बाहर जाकर खेलो. अब तुम हमें डिस्टर्ब नहीं करोगी.
मधु! एक बार फिर तुमने सिद्ध कर दिया कि बच्चों द्वारा पैदा की गयी समस्या का तुम्हारे पास कारगर हल है.
आओ, हम आगे बातचीत शुरू करें.


टोनी ! क्या तुम हमें अपना बैट बाल नहीं दिखाओगे ?
पिंकी ! जितनी देर तुम मुझे अपना बैंड बाजा दोगी, उतनी देर के लिए तुम मेरे बैट बाल से खेल सकती हो.
मंजूर है.
पिंकी ! इस गुगली को खेलो !
खटाक!
कड़ाक!
ओह !



मधु! क्या इस समस्या का भी तुम्हारे पास कोई उपाय है?
एक है.
पिंकी! विमी! तुम दोनों घर में खेलो.
हम बाहर पार्क में बैठकर बातें करेंगे.

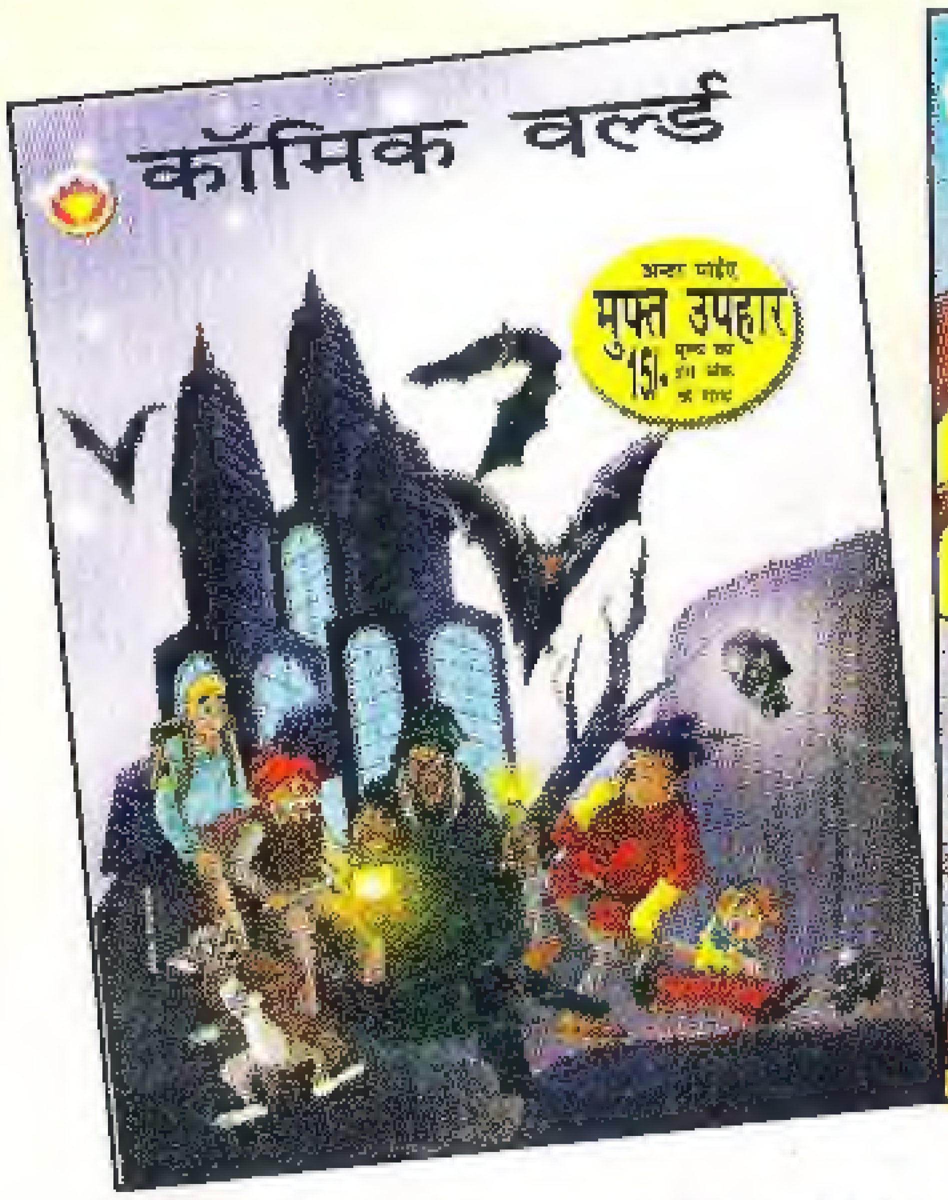
Diamond Comics Hindi-------------A. H. W. -------------Paltu Series---------R.N.I. N0. 39423/81

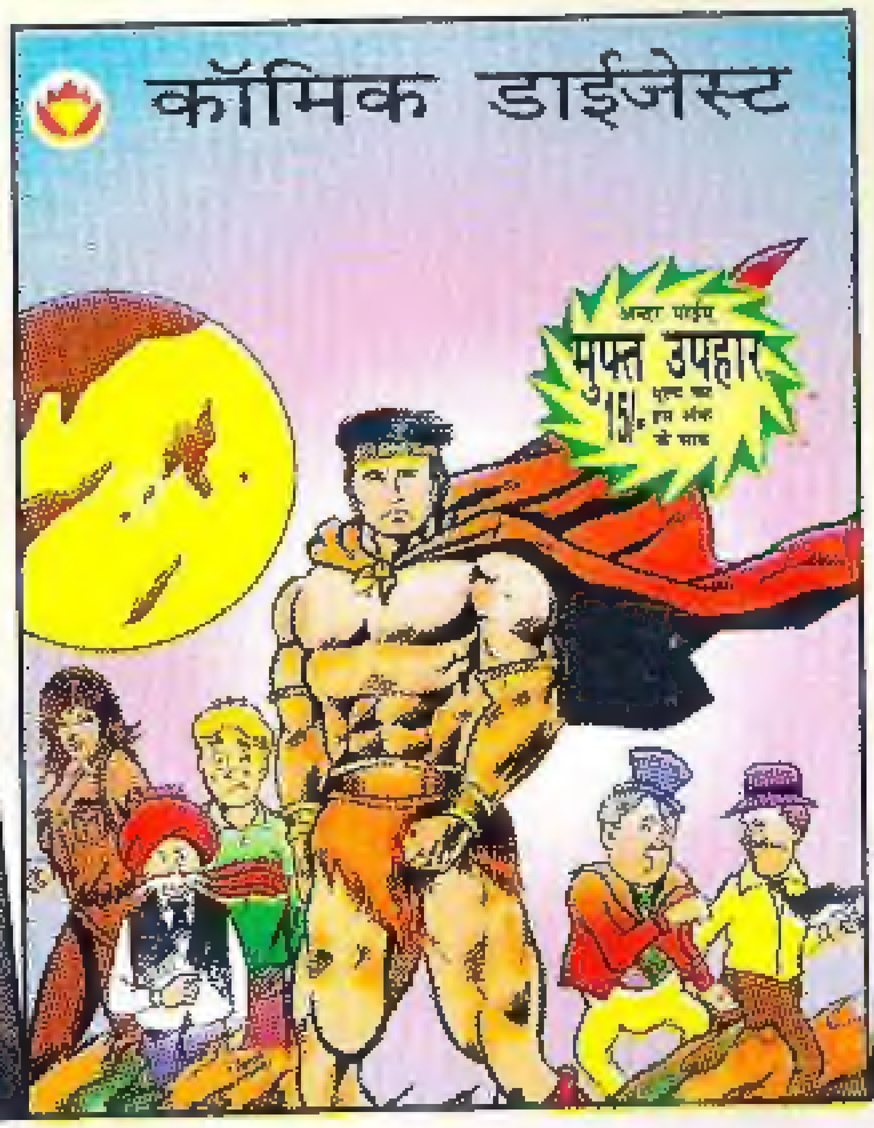
डायमण्ड कॉमिक्स

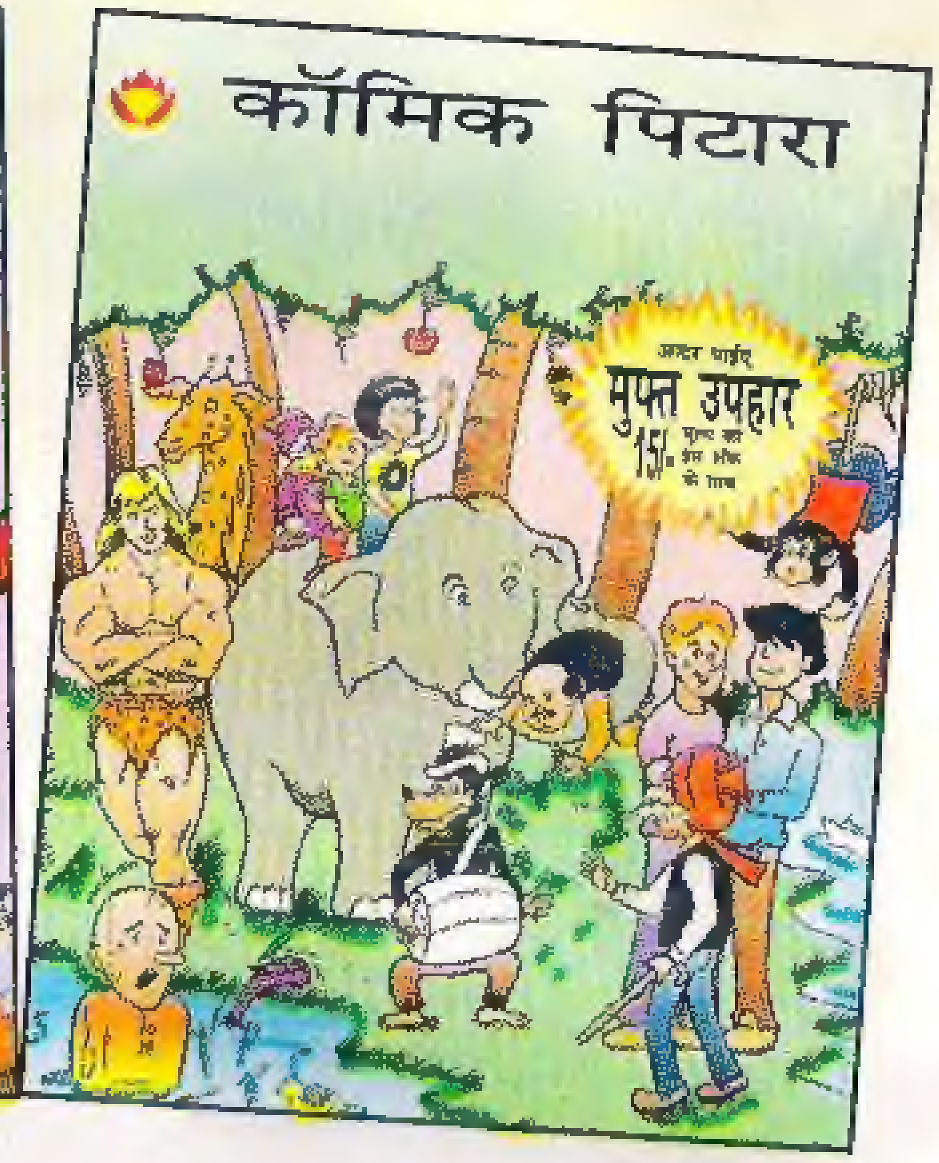
लाए हैं

एक के बाद एक देशी एवं विदेशी कॉमिक्स के खजाने

सदस्यता हंगामा







तीनों पत्रिकाओं की सदस्यता लें हरेक के साथ ढेरों इनाम पाएं

प्रत्येक पत्रिका के लिए	आप देंगे सदस्यता शुल्क	हर माह पाएं पत्रिका मूल्य 30/-	आप पाएंगे		
			हर माह पाएं 15/- का उपहार मुफ्त	सदस्यता शुल्क देते समय पहले अंक के साथ पाएं उपहार	कुल
1 साल के लिए	Rs. 360/-	Rs. 360/-	+Rs. 180/-	+Rs. 75/-	=Rs. 615/-
2 साल के लिए	Rs. 720/-	Rs. 720/-	+ Rs. 360/-	+ Rs. 180/-	=Rs. 1260/-
3 साल के लिए	Rs. 1080/-	Rs. 1080/-	+ Rs. 540/-	+ Rs. 250/-	=Rs. 1870/-
5 साल के लिए	Rs. 1800/-	Rs. 1800/-	+ Rs. 900/-	+ Rs. 500/-	=Rs. 3200/-

अगर आप एक साथ तीनों पत्रिकाओं के सदस्य बनते हैं तो आप अतिरिक्त 15% लाभ उठायेंगे।

तीनों पत्रिकाओं के लिए पैकेज दर

1 साल के लिए	Rs. 918/-	Rs. 1080/-	+Rs. 540/-	+Rs. 225/-	=Rs. 1845/-
2 साल के लिए	Rs. 1836/-	Rs. 2160/-	+ Rs. 1080/-	+ Rs. 540/-	=Rs. 3780/-
3 साल के लिए	Rs. 2754/-	Rs. 3240/-	+ Rs. 1620/-	+ Rs. 750/-	=Rs. 5610/-
5 साल के लिए	Rs. 4590/-	Rs. 5400/-	+ Rs. 2700/-	+ Rs. 1500/-	=Rs. 9600/-

कॉमिक वर्ल्ड / कॉमिक पिटारा / कॉमिक डाईजेस्ट हंगामा योजना

257, दरीबा कलां, दिल्ली-110 006

मैं कॉमिक वर्ल्ड / कॉमिक पिटारा / कॉमिक डाईजेस्ट का (हिन्दी/अंग्रेजी/बंग्ला) का ....वर्ष के लिए गौरवशाली सदस्य बनना चाहता/चाहती हूं। साथ में मनी आर्डर/डी.डी.नं..........................दिनांक..................भेज रहा/रही हूं। मुझे रु. .... के डायमण्ड कॉमिक्स मुफ्त उपहार में भेजने की कृपा करें।

उम्र..............

नाम..

पता..पिन कोड.........................


http://onlineindiancomics.blogspot.com